सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 142 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 27 जून, 2024

कोई लोहे को नष्ट नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी जंग कर सकती है! उसी तरह कोई किसी इंसान को बर्बाद नहीं कर सकता, लेकिन उसकी अपनी मानसिकता कर सकती है।
-रतन टाटा

पहली बार फाइनल में पहुंचा साउथ... 7 | अब लोस के डिप्टी स्पीकर पर... 3 | देश संविधान से चलेगा न कि... 2

बहिष्कार व हंगामे के बीच राष्ट्रपति ने पढ़ा अभिभाषण

एनडीए सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा

» आपातकाल व पेपर लीक मामले पर विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया

» पेपर लीक को लेकर दलीय राजनीति से ऊपर उठने की जरूरत : राष्ट्रपति

» संसद की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के बहिष्कार व हंगामें के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नवनिर्वाचित सरकार की प्राथमिकताओं को सामने रखा। उधर राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद संसद की संयुक्त बैठक में मुर्मू का यह पहला संबोधन है। नई लोकसभा का पहला सत्र गत सोमवार को शुरू हुआ था। इसके अलावा राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से शुरू होगा। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने आपातकाल पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आने वाले कुछ महीनों में भारत एक गणतंत्र के रूप में 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है।

भारतीय संविधान ने बीते दशकों में हर चुनौती और कसौटी पर खरा उतरा है। देश में संविधान लागू होने के बाद भी संविधान पर कई हमले हुए हैं। 25 जून 1975 को लागू किया गया आपातकाल संविधान पर सीधा हमला था। जब इसे लगाया गया तो पूरे देश में हाहाकार मच गया था, लेकिन देश ने ऐसी संवैधानिक ताकतों पर विजय प्राप्त की है। मेरी सरकार भी भारतीय संविधान को सिर्फ शासन का माध्यम नहीं बना सकती। हम अपने संविधान को जनचेतना का हिस्सा बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी के साथ मेरी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाना शुरू किया है। हमारे जम्मू-कश्मीर में संविधान पूरी तरह लागू किया गया है, जहां अनुच्छेद 370 के कारण स्थिति अलग थी। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव की चर्चा आज पूरी दुनिया में है। दुनिया देख रही हैं कि भारत के लोगों ने लगातार तीसरी बार स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई है। छह दशक बाद ऐसा हुआ है। ऐसे समय में जब भारत के लोगों की आकांक्षाएं सर्वोच्च स्तर पर हैं, लोगों ने मेरी सरकार पर लगातार तीसरी बार भरोसा जताया है।

राष्ट्रपति ने नव निर्वाचित सदस्यों को दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 18वीं लोक सभा के सभी नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अभिभाषण के दौरान कहा आप सभी यहां देश के मतदाताओं का विश्वास जीतकर आए हैं। देशसेवा और जनसेवा का ये सौभाग्य बहुत कम लोगों को मिलता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आप राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपना दायित्व निभाएंगे।140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनेंगे। उन्होंने कहा कि ये दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। करीब 64 करोड़ मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ अपना कर्तव्य निभाया है। इस बार भी महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर मतदान में हिस्सा लिया है। इस चुनाव की बहुत सुखद तस्वीर जम्मू-कश्मीर से भी सामने आई है। कश्मीर घाटी में वोटिंग के अनेक दशकों के रिकॉर्ड टूटे हैं।

आप सांसदों ने अभिभाषण का किया बहिष्कार

आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्यों ने गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से पहले संसद परिसर में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध किया। आप सांसदों ने ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग बंद करो और तानाशाही नहीं चलेगी, जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करने की घोषणा की, इसे तीसरी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के गठन के बाद पहला राष्ट्रपति अभिभाषण माना जा रहा है। आप नेता संदीप पाठक ने

न्याय की आड़ में तानाशाही कार्यों के खिलाफ विरोध करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति और संविधान सर्वोच्च हैं और जब न्याय के नाम पर तानाशाही की जाती है, तो आवाज उठाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्यसभा में अपनी असहमति व्यक्त करेगी। पाठक ने कहा, आज हम दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ राज्यसभा में विरोध प्रदर्शन करेंगे और राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करेंगे। राष्ट्रपति और संविधान सर्वोच्च हैं और जब न्याय के नाम पर तानाशाही की जाती है, तो अपनी आवाज उठाना महत्वपूर्ण है। पाठक ने स्पष्ट किया कि विरोध करने का निर्णय, एकद्वारा भारत गठबंधन में अन्य दलों के साथ समन्वय किए बिना स्वतंत्र रूप से लिया गया था। उन्होंने कहा, हमने इस बारे में भारत गठबंधन के शेष दलों के साथ चर्चा नहीं की, लेकिन हमारी पार्टी राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करेगी।

'राज्य के विकास से देश का विकास'

राष्ट्रपति ने कहा कि मेरी सरकार का मत है कि दुनियाभर से निवेशकों को आकर्षित करने के लिए राज्यों में स्वस्थ स्पर्धा हो। यही कंपटीटिव को-ऑपरेटिव फेडरलिज्म की सच्ची स्पिरिट है। राज्य के विकास से देश का विकास, इसी भावना के साथ हम आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन के संकल्प ने आज भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना दिया है। 10 साल में भारत 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से ऊपर उठकर पांचवें नंबर पर पहुंचा है। साल 2021 से लेकर साल 2024 के बीच भारत ने औसतन 8 प्रतिशत की रफ्तार से विकास किया है। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार अर्थव्यवस्था के तीनों स्तंभों विनिर्माण, सेवाएं और कृषि को बराबर महत्व दे रही है। पीएलआई योजना और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पारंपरिक सेक्टर्स के साथ-साथ सनराइज सेक्टर्स को भी मिशन मोड पर बढ़ावा दिया जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि आज का भारत, दुनिया की चुनौतियां बढ़ाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को समाधान देने के लिए जाना जाता है। विश्व-बंधु के तौर पर भारत ने अनेक वैश्विक समस्याओं के समाधान को लेकर पहल की है। जलवायु परिवर्तन से लेकर खाद्य सुरक्षा तक, पोषण से लेकर सस्टेनबल एग्रीकल्चर तक हम अनेक समाधान दे रहे हैं।

राष्ट्रपति ने शोर मचाने पर विपक्ष को टोका

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों के संयुक्त अभिभाषण के दौरान नीट पेपर लीक को लेकर बात की। इस दौरान विपक्ष ने जमकर शोर मचाया। उन्होंने कहा सरकार देश के हर युवा को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए सही माहौल बनाने में जुटी हुई है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने नीट-नीट के नारे लगाए। इस दौरान राष्ट्रपति को विपक्षी सांसदों को सुनिए-सुनिए तक कहना पड़ा। सरकार का प्रयास है कि देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का उचित अवसर मिले। सरकारी भर्ती हो या फिर परीक्षाएं, इनमें अगर किसी भी वजह से रुकावट आए तो ये उचित नहीं है। इन परीक्षाओं में शुचिता और पारदर्शिता बहुत जरूरी है। पेपर लीक का जिक्र करते हुए मुर्मू ने कहा कि हाल ही में कुछ परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं हुईं, जिनकी निष्पक्ष जांच और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

सबकुछ ठीक फिर किसान क्यों दुखी हैं : अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के कन्नौज से सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि किसान क्यों दुखी है, संकट में है, अगर यह पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कहानी बताई जा रही है? इतने बड़े पैमाने पर नौजवान बेरोजगार

क्यों है? सपा प्रमुख ने कहा कि हमारी इकॉनमी अगर पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है तो आखिर इतनी महंगाई क्यों है? अग्निवीर जैसी योजना क्यों लागू की जा रही है? निवेश कहां है? कुछ लोगों के विकास को देश का विकास नहीं कहा जा सकता है।

देश संविधान से चलेगा न कि राजा के डंडे से : आरके चौधरी

बोले- संसद से सेंगोल हटाकर संविधान रखा जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद भवन में स्थापित किया गया ऐतिहासिक राजदंड सेंगोल एक बार फिर चर्चा में है। दरअसल समाजवादी पार्टी के सांसद आर के चौधरी ने संसद से सेंगोल हटाने की मांग की है। सपा सांसद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने संसद भवन में जहां स्पीकर बैठते हैं, वहां सेंगोल स्थापित कर दिया।

सेंगोल का हिंदी अर्थ है राजदंड, जिसका मतलब है राजा का डंडा। इसलिए संसद भवन से सेंगोल को हटाना चाहिए। समाजवादी पार्टी के सांसद ने अपने हालिया बयान से सेंगोल पर नई बहस छेड़ दी। आर के चौधरी ने कहा कि बीजेपी सरकार ने मोदी जी के नेतृत्व में सेंगोल स्थापित कर दिया, जिसका हिंदी अर्थ है राजदंड, इसका मतलब है राजा की छड़ी। अब देश संविधान से चलेगा या फिर राजा के डंडे से चलेगा। इसलिए हमारी ये मांग है कि अगर लोकतंत्र को बचाना है तो संसद भवन से सेंगोल को हटाना है।

सेंगोल को प्रणाम करना भूल गए थे पीएम : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे सांसद इसलिए कह रहे होंगे कि जब पहली बार इसे स्थापित किया गया तो तब पीएम ने इसे प्रणाम किया था। लेकिन शपथ लेते हुए इस बार भूल गए, इसलिए ये याद दिलाने के लिए हमारे सांसद ने पत्र लिखा, वहीं सेंगोल पर मेरी राय वही है, जो मैंने अपनी एक्स पोस्ट में जाहिर की थी, आप चाहे तो मेरे अर्काइव से निकालकर उसे हर चैनल पर चला सकते हैं।

लोकसभा स्पीकर के आसन के निकट स्थापित है सेंगोल

संसद भवन स्थित लोकसभा चैम्बर में लोकसभा स्पीकर के आसन के निकट ऐतिहासिक राजदंड सेंगोल को स्थापित किया गया है। जिसे नए संसद भवन वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए समारोह में स्थापित किया गया था। नए संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष के आसन के समीप स्थापित किए जाने से पहले सेंगोल को तमिलनाडु के विभिन्न अधीनमों के लगभग 30 पुरोहितों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपा गया था। कहा जाता है, सेंगोल जिसे दिया जाता है, उससे न्यायपूर्ण और निष्पक्ष शासन प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है। सेंगोल एक तरह का राजदंड है। 15 अगस्त 1947 की आधी रात को इसे पंडित नेहरू को सौंपा गया था।

370 का बिल एक मिनट में लाया गया और आधे घंटे में उसे पास कर दिया : रुहुल्लाह

- नेकां नेता ने मुस्लिम एमपी को आतंकी कहने का मुद्दा भी संसद में उठाया
- ओम बिरला ने दी सांसद को नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। श्रीनगर से नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के सांसद आगा रुहुल्लाह मेहदी ने ओम बिरला को लोकसभा के स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी। इसके साथ ही सदन में अपने पहले भाषण में उन्होंने अनुच्छेद 370 और मुस्लिम एमपी को आतंकी कहने का मुद्दा उठाया। रुहुल्लाह की टिप्पणी से ओम बिरला रुष्ट दिखे। उन्होंने रुहुल्लाह से पहले सदन की कार्यवाही को समझने और फिर इस तरह की टिप्पणी करने की नसीहत दी।

रुहुल्लाह ने फिर बात शुरू करते हुए कहा, भारत देश में सबसे बड़ा लोकतंत्र है। 370 की बिल एक मिनट में लाया गया और आधे घंटे में उसे पास कर दिया गया। रुहुल्लाह ने ओम बिरला को बधाई देते हुए अपनी बात की शुरुआत की। साथ ही शब्दों को फेर से कटाक्ष भी किया। उन्होंने कहा, आज के बाद आप (ओम बिरला) किसी पार्टी के नहीं बल्कि संविधान के रखवाले हैं। उम्मीद है आप इस जिम्मेदारी को निभाएंगे। इस सदन में आपको याद रखा जाएगा कि आपने सत्ता पक्ष को मजबूर किया विपक्ष की सुनने के लिए या विपक्ष को खामोश किया। आगे कहा, आपको (बिरला को) याद किया जाएगा कि लोकसभा में एक मुसलमान सांसद को आतंकी कह दिया गया तो आपने (बिरला ने) इस नाजायज आवाज को खामोश किया या इन आवाजों को उठने दिया। लोकसभा में एक मुसलमान सांसद को आतंकी कहा जा सकता है तो सड़कों पर उन्हें आतंकवादी कहा ही जा सकता है।

इस पर ओम बिरला ने उन्हें कहा, यह सदन का पहला दिन है। आप बोलते हुए इस बात का ध्यान रखिए कि क्या टिप्पणी कर रहे हैं। अभी कार्यकाल को देखो। उसके बाद टिप्पणी करो।

भाजपा सरकार बौखलाई, कांग्रेस न डरी है न डरेगी : अशोक गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस नेताओं पर राजकार्य में बाधा डालने और रास्ता रोकने को लेकर दर्ज की गई एफआईआर पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। गहलोत ने इस कार्रवाई को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार की बौखलाहट है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व खेल मंत्री अशोक चांदना सहित दर्जनों कांग्रेस नेताओं पर एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया एक-एक करके सामने आ रही है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने इसे सरकार की बौखलाहट बताया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा के आयोजन में कथित गड़बड़ी को लेकर राजस्थान के कोटा शहर में सोमवार को उग्र प्रदर्शन करने वाले कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। गहलोत ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट करके कहा कि कोटा में नीट पेपर लीक के मामले पर हुए विरोध प्रदर्शन को लेकर पीसीसी प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर एफआईआर दर्ज करना सरकार की बौखलाहट है। उन्होंने लिखा कि पेपर लीक को स्वीकार कर लाखों बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई की बजाय उनके लिए न्याय मांगने वालों पर एफआईआर करना उचित नहीं है। कांग्रेस न्याय की लड़ाई लड़ने में ऐसे फर्जी मुकदमों से ना तो डरी है और ना डरेगी।

कांग्रेस नेताओं पर दर्ज एफआईआर पर भड़के पूर्व सीएम

शब्दों पर नियंत्रण रखें जयराम, वरना करेंगे कार्रवाई : पठानिया

विस अध्यक्ष बोले- सदन के भीतर के निर्णयों की चर्चा सदन में ही करे बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और अन्य भाजपा नेताओं के बयानों पर कहा कि वे सदन के भीतर के निर्णयों की चर्चा सदन में ही करें। सार्वजनिक मंच पर चर्चा की जरूरत नहीं है। नेता प्रतिपक्ष जिस तरह से आक्षेप विस अध्यक्ष की मर्यादा के खिलाफ कर रहे हैं। वह अपने शब्दों और सोच पर नियंत्रण रखें। उन्होंने चेताया कि अगर इस तरह की बयानबाजी जारी रहती है तो उन्हें मजबूरन नियमानुसार कार्रवाई करनी पड़ेगी।

पठानिया ने कहा कि उनका आचरण कैसा हो, इस संबंध में उन्हें जयराम ठाकुर से प्रमाणपत्र को लेने की जरूरत नहीं। उनकी जवाबदेही जनता और संविधान के लिए है। वह जो भी कार्रवाई कर रहे हैं, सांविधानिक प्रावधानों में ही कर रहे हैं। पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान उन्होंने अध्यक्ष के तौर पर सदन का संचालन नियमों के अनुरूप किया है। 14वीं विधानसभा की उत्पादकता 132 प्रतिशत रही है। सभी सत्रों में आवंटित समय से अधिक काम किया। हर सदस्य को बात रखने का मौका दिया गया। विधायकों के मामलों में कार्रवाई की है, उसमें नियमों की अनुपालना की है। पठानिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने अपनी रूलिंग के माध्यम से यह तय कर दिया है कि स्पीकर के अधिकारक्षेत्र और फैसलों में किसी प्रकार के दखल की गुंजाइश नहीं है। फिर भी पब्लिक डोमेन में जाकर नेता प्रतिपक्ष या भाजपा नेता इन फैसलों को राजनीतिक लाभ लेने की चेष्टा से चुनाव के दौरान चर्चा में ला रहे हैं। किसी भी सदस्य को विधानसभा के विषयों को सार्वजनिक मंच पर उठाने का अधिकार नहीं है। यह नियमों का उल्लंघन ही माना जाएगा।

अंधभक्तों को नहीं दिख रही प्रदेश की बिगड़ती कानून-व्यवस्था : सुखराम

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री सुखराम चौधरी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं और सरकार के अंधभक्तों को प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था नहीं दिख रही है। चंबा हत्याकांड से जिस सरकार का श्रीगणेश हुआ था, उस सरकार का बिलासपुर गोलीकांड के साथ गिरना तय है। बिलासपुर गोलीकांड के मास्टरमाइंड पुरंजन की पुलिस तलाश कर रही है। 20 जून को बिलासपुर जिला कोर्ट के बाहर दिनदहाड़े एक युवक पर गोलियां चलाई गईं। सुखराम चौधरी ने कहा कि पुलिस ने जब मामले की जांच की तो गोलीकांड का मास्टरमाइंड पुलिस जांच के अनुसार पूर्व विधायक बंबर ठाकुर का बड़ा बेटा पुरंजन ठाकुर निकला। अभी तक न तो पूर्व विधायक बंबर पर अभी तक एक्शन हुआ और न ही उनका बेटा मिल पाया है। यह साफ दिखता है कि कहीं न कहीं इस पूरे केस में सरकार का संरक्षण मुजरिमों को प्राप्त हो रहा है।

बहाल हुई संजय सिंह की राज्यसभा सदस्यता

- लगभग एक साल के बाद संसद में मिली एंट्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पिछले साल मानसून सत्र के दौरान निलंबित किए जाने के बाद आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह की राज्यसभा सदस्यता गुरुवार को बहाल कर दी गई। अध्यक्ष के निर्देशों का बार-बार उल्लंघन करने के लिए उन्हें शेष मानसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया था।

आप नेता ने अपने ट्विटर हैंडल पर खबर साझा करते हुए कहा कि उन्हें लगभग एक साल बाद राज्यसभा का अनुभव मिला है। उन्होंने उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ और विशेषाधिकार समिति के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। संजय सिंह ने एक्स पर लिखा कि लगभग एक साल के बाद संसद में जाने की अनुमति प्राप्त हुई। निलंबन ख़त्म हुआ। माननीय सभापति उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ जी, प्रिविलेज कमेटी के सभापति व सभी माननीय सदस्यों का अत्यंत धन्यवाद व आभार। आप के वरिष्ठ नेता सिंह को जुलाई 2023 में अनियंत्रित व्यवहार के लिए राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया था। सिंह को दूसरी बार राज्यसभा के लिए फिर से चुना गया और इस साल फरवरी में दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें शपथ लेने की अनुमति दी थी, जब वह कथित दिल्ली शराब नीति मामले में जेल में बंद थे।

अब लोस के डिप्टी स्पीकर पर मचेगा संग्राम!

» भाजपा व कांग्रेस में इसको लेकर रार

» पिछले लोकसभा में खाली रहा था यह पद

स्पीकर के चुनाव के बाद उपाध्यक्ष पद पर विपक्ष की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। काफी सियासी रस्साकशी के बाद ओम बिरला एकबार फिर लोक सभा अध्यक्ष चुन लिए गए। हालांकि उनको यह पद आम सहमति से नहीं मिला। उन्हें विपक्ष के के. सुरेश से चुनाव लड़ना पड़ा। पर विपक्ष द्वारा वोट के डिवीजन की मांग न करवाने से ओम बिरला पुन: स्पीकर बन गए। हालांकि विपक्ष ने वोटिंग पर हंगामा न करके एक सूझबूझ वाला फैसला लिया। इस रणनीति ने उसने बीजेपी पर पहली ही बार में नैतिक बढ़त ले ली। इसके तहत उसने एनडीए सरकार को इशारा भी कर दिया कि इसबार विपक्ष को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा।

पहली लड़ाई तो सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच बहुत सलीके से हुई और अपने अंजाम पर पहुंच गई। पर अब देखना होगा कि लोक सभा उपाध्यक्ष के पद पर क्या होता है। गौरतलब हो कि पिछले लोक सभा में यह पद खाली रहा था। परंपरा के अनुसार इस पद पर विपक्ष का कोई सदस्य काबिज होता है। 2014 से 19 तक एआईडीएमके के एम थंबीदुरई उपाध्यक्ष रहे थे। गौरतलब हो कि लोकसभा स्पीकर पद को लेकर इस बार सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों ही ओर से उम्मीदवार उतारे गए। इससे पहले बीजेपी ने स्पीकर पद पर परंपरा की बात करने को लेकर कांग्रेस को घेरा था। बीजेपी और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग नजर आई थी। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस दावे को खारिज कर दिया कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए विपक्षी दल से उपाध्यक्ष बनाने की परंपरा रही है। बीजेपी ने मनमानी करते हुए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों ही पद सत्ता पक्ष के पास रखे हैं। वहीं बीजेपी ने स्पीकर व डिप्टी स्पीकर के चुनाव को लेकर कांग्रेस पर राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया।

पांच साल की अवधि के लिए होगा डिप्टी स्पीकर

उपाध्यक्ष का चुनाव आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक में लोकसभा के सदस्यों में से पांच साल की अवधि के लिए किया जाता है। वह तब तक पद पर बने रहते हैं जब तक कि वे लोकसभा के सदस्य नहीं रह जाते या इस्तीफा नहीं दे देते। उसे लोकसभा में सदस्यों के प्रभावी बहुमत द्वारा पारित एक प्रस्ताव द्वारा पद से हटाया जा सकता है। प्रभावी बहुमत में रिक्तियां निकालने के बाद बहुमत सदन की कुल संख्या का 50 प्रतिशत या 50प्रतिशत से अधिक होना चाहिए। चूंकि उपाध्यक्ष लोकसभा के प्रति जवाबदेह होता है, इसलिए निष्कासन लोकसभा में प्रभावी बहुमत द्वारा ही किया जाता है। उन्हें अपनी मूल पार्टी से इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है, हालांकि उप सभापति के रूप में उन्हें निष्पक्ष रहना होगा। 17वीं लोकसभा पहली और एकमात्र लोकसभा है जिसमें कोई उपाध्यक्ष नहीं था। फरवरी 2023 में, भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने जनहित याचिका पर प्रतिक्रिया मांगने के लिए एक निकाय का नेतृत्व किया, जिसमें तर्क दिया गया कि लंबी रिक्ति संविधान के अक्षर और भावना के खिलाफ है। मौजूदा लोकसभा में डिप्टी स्पीकर नहीं है और यह पद 23 जून 2019 से खाली है।

पद के लिए शर्त रखना शर्मनाक : शहजाद

शहजाद पूनावाला ने कहा, राहुल गांधी कह रहे हैं कि परंपरा है कि डिप्टी स्पीकर विपक्ष से होना चाहिए और स्पीकर को समर्थन देने के लिए यह पहली शर्त थी। ऐसी शर्त शर्मनाक है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या उनका अपना परिवार उस परंपरा का पालन करता था जिसकी वह बात कर रहे हैं? पूनावाला ने उदाहरण देते हुए कहा कि जवाहरलाल नेहरू के प्रधानमंत्री रहते हुए एम. अनंतशयनम अयंगर (1952-1956), हुकुम सिंह (1956-1962) और एस. वी. कृष्णमूर्ति राव (1962-67) डिप्टी स्पीकर थे। ये सभी कांग्रेस से थे जबकि स्पीकर भी उसी पार्टी से थे। इंदिरा गांधी के कार्यकाल में भी कांग्रेस के आर. के. खाडिलकर 1967-1969 तक डिप्टी स्पीकर रहे।

निचले सदन का दूसरा सर्वोच्च रैंकिंग प्राधिकारी है उपाध्यक्ष

लोकसभा का उपाध्यक्ष (आईएएसटी-लोकसभा उपाध्यक्ष) भारत की संसद के निचले सदन, लोकसभा का दूसरा सर्वोच्च रैंकिंग प्राधिकारी है। वह लोकसभा अध्यक्ष की मृत्यु या बीमारी के कारण छुट्टी या अनुपस्थिति की स्थिति में पीठासीन प्राधिकारी के रूप में कार्य करता है। संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, यह कहता है कि लोक सभा (लोकसभा) , जितनी जल्दी हो सके, दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनें, जितनी बार कार्यालय खाली हों। हालाँकि, यह कोई विशिष्ट समय सीमा प्रदान नहीं करता है। एक जवाबदेह लोकतांत्रिक संसद चलाने के लिए सत्तारूढ़ दल के अलावा किसी अन्य दल से लोकसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव करना संसदीय परंपरा है।

स्पीकर ओम बिरला के पहले ही भाषण से विपक्ष नाराज

लोकसभा अध्यक्ष घोषित होने के बाद अपने पहले भाषण में, भाजपा के ओम बिरला ने पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी का उल्लेख करते हुए आपातकाल के दौरान काले दिनों और लोगों के जीवन पर इसके प्रभाव के बारे में बात की। उन्होंने सदस्यों से आपातकाल के काले दिनों की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए दो मिनट के मौन के लिए खड़े होने को भी कहा। इसे स्वीकार नहीं किया गया और विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया और सदन को स्थगित कर दिया गया। इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने तानाशाही बंद करो जैसे नारे लगाए। हालाँकि, बिरला के भाषण को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से प्रशंसा मिली। एक्स को संबोधित करते हुए, पीएम ने लिखा, मुझे खुशी है कि माननीय अध्यक्ष ने आपातकाल की कड़ी निंदा की, उस दौरान हुई ज्यादतियों पर प्रकाश डाला और जिस तरह से लोकतंत्र का गला घोंटा गया उसका भी उल्लेख किया। उन दिनों के दौरान पीड़ित

सभी लोगों के सम्मान में मौन खड़े रहना भी एक अद्भुत भाव था। उन्होंने आगे लिखा कि आपातकाल 50 साल पहले लगाया गया था लेकिन आज के युवाओं के लिए इसके बारे में जानना ज़रूरी है क्योंकि यह इस बात का एक उपयुक्त उदाहरण है कि जब संविधान को कुचल दिया जाता है, जनता की राय दबा दी जाती है और संस्थानों को नष्ट कर दिया जाता है तो क्या होता है। आपातकाल के दौरान हुई घटनाओं ने उदाहरण दिया कि तानाशाही कैसी होती है। स्पीकर ओम बिरला ने 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल को याद करते हुए कहा कि सदन इसकी कड़ी निंदा करता है। उन्होंने उन लोगों के दृढ़ संकल्प की सराहना की जिन्होंने आपातकाल का विरोध किया, उसके अत्याचारों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और लोकतंत्र की रक्षा की जिम्मेदारी को बरकरार रखा। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि यह दिन भारत के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था, जिसे उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान पर हमला बताया। अध्यक्ष ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा को रेखांकित किया, इसके मूल्यों पर प्रकाश डाला जो बहस और लोकतांत्रिक सिद्धांतों का समर्थन करते हैं।

बीजेपी ने अलग-अलग राज्यों का जिक्र कर कांग्रेस को घेरा

बीजेपी नेता ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों की ओर से सत्ता संभाल रहे राज्यों का भी ब्योरा साझा किया, जहां दोनों पद एक ही पार्टी के पास थे। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के बिमान बनर्जी स्पीकर हैं और उनके दल के सहयोगी आशीष बनर्जी उनके डिप्टी हैं। तमिलनाडु में डीएमके के एम. अप्पावु स्पीकर और के. पिचंडी डिप्टी स्पीकर हैं। कर्नाटक में कांग्रेस के यू. टी. खादर फरीद स्पीकर हैं और आर. एम. लामानी डिप्टी स्पीकर हैं। शहजाद पूनावाला ने केरल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केरल में एलडीएफ के ए. एन. शमसीर (माकपा) स्पीकर हैं और चित्तयम गोपाकुमार डिप्टी स्पीकर हैं। तेलंगाना और झारखंड में डिप्टी स्पीकर का पद खाली है। तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार है, वहीं झारखंड में उसकी सहयोगी जेएमएम की सरकार है। शहजाद पूनावाला ने कहा कि जिस तरह प्रोटेम स्पीकर के मुद्दे पर कांग्रेस झूठ बोल रही थी, वैसे ही यहां भी झूठ बोल रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

इसबार और जवाबदेह हो गया लोस चेयर!

> विपक्ष को भी जनता ने मजबूती देकर भेजा है। इसलिए स्पीकर को सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सामंजस्य बिठाकर जनता कि हित में फैसले करवाने होंगे। कुल मिलाकर उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। उधर अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई गई।

18वीं लोक सभा सत्र के तीसरे दिन स्पीकर को चुनाव हो गया। ओम बिरला दूसरी बार लोक सभा अध्यक्ष बन गए। अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें सत्ता व विपक्ष दोनों ओर से बधाईयां मिली। अपने पहले संबोधन में स्पीकर ओम बिरला ने अपने कर्तव्य की बात तो की ही साथ ही सासंदों की जिम्मेदारी भी तय की। हालांकि उनके अध्यक्ष बनते ही उनके 1975 इमरजेंसी पर दिए भाषण पर हंगामा भी हुआ। खैर ये सब तो ठीक हे पर इसबार लोक सभा स्पीकर की जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ गई है क्योंकि वह दूसरी बार चुने गए हैं। साथ ही इसबार सत्ता पक्ष के पास पिछले दो लोकसभा की अपेक्ष संख्या बल कम है। विपक्ष को भी जनता ने मजबूती देकर भेजा है। इसलिए स्पीकर को सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच सामंजस्य बिठाकर जनता कि हित में फैसले करवाने होंगे। कुल मिलाकर उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। उधर अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई गई। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव हो गया।

गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले परीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिखी। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। हालांकि सत्ता पक्ष को भी हर बात पर हंगामा करने से बचना होगा। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। संसद की सार्थकता केवल इसमें नहीं है कि वहां विभिन्न मुद्दे उठाए जाएं बल्कि इसमें है कि उन पर गंभीर एवं शालीन तरीके से चर्चा होकर राष्ट्र हित में प्रभावी निर्णय लिये जाये। उम्मीद की जाए कि इसबार जनता के मुद्दे पर सत्ता पक्ष व विपक्ष मिलकर सुलझाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

संसद में अब चलेगा इटावा के सात सांसदो का 'जादू'

दिनेश शाक्य

18वीं लोकसभा में उत्तर प्रदेश के इटावा जिले के सात सांसद निर्वाचित हुए है। देश के किसी भी जिले से पहली दफा सात सांसद निर्वाचित हुए है। सभी ने एक-एक करके अपने-अपने अंदाज में शपथ ग्रहण कर ली। शपथ ग्रहण के दौरान किसी ने जय समाजवाद तो किसी ने नेताजी को याद करते हुए शपथ ग्रहण की है। शपथ ग्रहण के दौरान संसद में ऐसा देखा गया है जहां समाजवादी पार्टी से निर्वाचित अधिकाधिक सांसद अपने-अपने हाथों में संविधान की पुस्तक लेकर के पहुंचे हुए थे। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के बेटे बदायूं के सांसद आदित्य यादव ने शपथ ग्रहण के दौरान नेताजी अमर रहे कहना नहीं भूले। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मैनपुरी से निर्वाचित सांसद श्रीमती डिंपल यादव ने शपथ ग्रहण के दौरान जय समाजवाद जय संविधान और जय भीम का नारा बोलने में कोई गुरेज नहीं किया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के बेटे फिरोजाबाद से निर्वाचित सांसद अक्षय यादव ने भी नेता जी अमर रहे जय समाजवाद जय भीम का नारा दिया। एटा से निर्वाचित समाजवादी पार्टी के सांसद देवेश शाक्य ने शपथ ग्रहण के दौरान नमो बुद्धाय,जय समाजवाद, जय भीम का नारा देकर के समाजवादी पार्टी के पीडीए फार्मूले का जिक्र करना नहीं भूले। इटावा से निर्वाचित समाजवादी पार्टी के सांसद जितेंद्र दोहरे ने अपने शपथ ग्रहण के दौरान जय भीम, जय भारत, अखिलेश यादव जिंदाबाद इंडिया गठबंधन जिंदाबाद का नारा बोल कर अपनी पार्टी के पीडीए फार्मूले की याद दिला दी। आजमगढ़ से निर्वाचित समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने अपने शपथ ग्रहण में पार्टी के पीडीएफ फार्मूले को प्रभावी करते हुए जय भीम, जय समाजवाद, नेता जी अमर रहे, अखिलेश यादव जिंदाबाद पीडीए जिंदाबाद बोलने से पीछे नहीं हटे। लोकसभा चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा परिवारवाद की राजनीति के तंज को दरकिनार करते हुए उत्तर प्रदेश की जनता ने देश के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार के पांच सदस्यों को एक साथ सांसद भेजने का फैसला तो सुनाया है, इसके साथ ही इटावा जिले के दो अन्य राजनेता भी अलग अलग संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित हुए है। देश प्रदेश की राजनीति में अहम भूमिका निभाने वाले इटावा के

समाजवादी परिवार के पांच निर्वाचित सांसद जब संसद में किसी मुद्दे पर चर्चा करेगे तो जाहिर है कि बड़ा ही रोचक प्रसंग बनेगा। इस लोकसभा का यह इकलौता मौका होगा जब देश के किसी भी राजनीतिक परिवार से एक साथ पांच सांसद निर्वाचित हुए हो। संसद की कार्रवाई में जब एक साथ एक ही परिवार के पांच सदस्यों की इंट्री होगी तो सोचो संसद का माहौल कैसा होगा। इसके साथ ही दो अन्य इटावा वासी सांसद सैफई परिवार के सांसदों के कंधे से कंधा मिला कर आवाज को सदन में बुलंद करेगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद अपनी परंपरागत सीट कन्नौज से चुनाव मैदान में उतरे तो अपनी पत्नी डिंपल यादव को मैनपुरी संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतारा वहीं अपने चचेरे भाई पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को आजमगढ़ लोकसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा तो पूर्व सांसद अक्षय यादव को फिरोजाबाद संसदीय सीट और पहली दफा अपने चचेरे भाई आदित्य यादव को बदायूं संसदीय सीट से चुनाव मैदान में सपा उम्मीदवार के रूप में किस्मत आजमाने उतारा। अखिलेश यादव करीब डेढ़ दशक बाद कन्नौज संसदीय सीट से चुनाव मैदान में उतरे जहां उन्हें भारतीय जनता पार्टी के सुब्रत पाठक के मुकाबले जीत हासिल हुई है। मैनपुरी संसदीय सीट से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने योगी सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को पराजित किया है। फिरोजाबाद संसदीय सीट से पूर्व सांसद अक्षय यादव को जीत मिली है। उन्होंने अपने निकटतम विरोधी भारतीय जनता पार्टी के ठाकुर विश्वजीत सिंह को पराजित किया। पूर्वी उत्तर प्रदेश की आजमगढ़ संसदीय सीट से पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को समाजवादी पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया था धर्मेंद्र यादव ने भारतीय जनता पार्टी के दिनेश लाल यादव को पराजित किया है।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव को बदायूं संसदीय सीट से चुनाव मैदान में पहली दफा उतारा गया, आदित्य यादव ने संसदीय चुनाव की पहली पायदान पर ही कामयाबी हासिल कर ली है, आदित्य यादव ने कांटे के संघर्ष में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार दुर्विजय सिंह शाक्य को पराजित कर दिया है। एटा संसदीय सीट से निर्वाचित समाजवादी पार्टी के सांसद देवेश शाक्य भी इटावा जिले के ही मूल वासी है। देवेश शाक्य ने अपने पहले ही संसदीय चुनाव में हिंदू सेवक कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह को पराजित किया है। इसके साथ ही इटावा संसदीय सीट से निर्वाचित समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार जितेंद्र दोहरे भी पहली दफा संसदीय चुनाव में उतरे जहां उन्होंने तीन दफा के सांसद दो दफा के एससी-एसटी कमीशन के अध्यक्ष और एक दफा के पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री का दर्जा पाए प्रोफेसर रामशंकर कठेरिया को पराजित करने में कामयाबी हासिल की।

पंजाब को चाहिए सर्वांगीण विकास का दृष्टिकोण

गुरबचन जगत

कुछ दिन पहले मैं किताबों की दुकान पर यह देखने गया कि नया क्या आया है। मैंने कुछ किताबें चुनीं और बाहर निकलने ही वाला था कि एक युवा महिला कहने लगी कि वह मुझ से कुछ बात करना चाहती है। मैं उसे और दिल्ली में उसके परिवार को बहुत अच्छी तरह जानता हूं। वह काफी उद्वेलित लग रही थी और उसने सीधे मुझसे सवाल दागा कि लोकसभा चुनाव में अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह खालसा की जीत के पंजाब के भविष्य को लेकर क्या मायने हैं। मैंने उसका डर दूर करने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह कामयाब नहीं हो पाया। किताबों की दुकान जैसे सौम्य माहौल में हुई इस दोस्ताना बहस ने मुझे हिला दिया और अचानक शुरू हुए इस संवाद से पैदा हुई विचार प्रक्रिया को मैंने झटकने का प्रयास किया।

मैं घर पहुंचा, तभी रिश्ते में अग्रज लगते भाई का फोन आया, जो सेना में ऊंचे ओहदे से एक सेवानिवृत्त अधिकारी हैं और इन दिनों पंजाब में बसे हुए हैं। उन्होंने भी पूछा कि पंजाब में क्या चल रहा है। मैंने उन्हें भी नरमी भरी बातों से इस चिंता से निकालने की कोशिश की और सुझाव दिया कि वे और उनकी पत्नी कुछ दिनों के लिए कहीं घूम आएं। अगले कुछ दिनों तक मुझे पंजाब से रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों की अनेक फोन कॉल्स आईं, सब एक जैसे सवाल पूछ रहे थे, आधी गंभीरता, आधे उत्साह युक्त। पंजाब में एक दशक तक चली हिंसा की सुनामी के वक्त भी, सतह के नीचे, चिंता की तरंगें थीं। तो क्या गुजरा अतीत, वर्तमान और भविष्य बनने जा रहा है? हिंसा की उस कहानी को पकने में कई साल लगे थे और मैं उनमें एक हूं जिन्होंने अपनी आंखों से इसे आगाज से अंत तक घटित होते देखा। आम धारणा के विपरीत, अंतिम काली छाया तक पहुंचने से पहले, इसने विकसित होने में कई साल लिए थे और इस बुरी कहानी के नाटकीय पात्र सर्वविदित हैं। शतरंज की बिसात पर मोहरे चलाने वाली राजनीतिक और सामाजिक शक्तियों के बारे में भी सबको पता है, लेकिन ग्रीक कहानियों में त्रासदी की नियति की भांति हम भविष्य के वक्त की चाल को देख तो सकते हैं लेकिन दखल देकर उसकी धारा को मोड़ नहीं दे सकते और त्रासदी है कि वह अपनी राह पर चलते हुए, रक्तरंजित अंजाम को पा जाती है।

यह सब बहुत पहले की बात नहीं है और जनता की याद्दाश्त वैसे भी कमजोर होती है, तो क्या हम फिर पुनरावृत्ति की राह पर हैं? मैं यह तो नहीं कहना चाहूंगा लेकिन फिर सरकार चुप क्यों हैं? राजनीतिक दल क्यों चुप्पी साधे हुए हैं? मीडिया किसलिए मूक है और सिविल सोसायटी भी चुप क्यों हैं? कहां से आये हैं ये दो लोग और किस प्रकार संसद के सदस्य तक चुन लिए गये हैं? यही वक्त है ऐसे सवाल पूछने का और यही समय है जब सरकार और राजनीतिक दल इनके जवाब दें। आज की तारीख में लगता है राजनीतिक दलों का एक ही ध्येय है – संसद, विधानसभा, नगर निकाय और पंचायत के चुनाव लड़ना और जीत पाना। उनकी एकमात्र इच्छा सभी स्तरों पर ताकत हासिल करना है, बगैर किसी जवाबदेही के। सरकार को अब तक पता होना चाहिए था कि लोग चिंतित हैं, पंजाब में क्या हुआ, इन चुनावी नतीजों की व्याख्या करने को उसे मूल कारण तक गहरे उतरना चाहिए, यहां तक कि कंगना रनौत थप्पड़ कांड में भी।

पिछले दो दशकों में सरकारें बनीं और गईं, लेकिन उनमें किसी एक ने भी 1980 और 1990 के दशक में जो कुछ हुआ, उसकी वजहें जानने की कोशिश नहीं की, और न ही कोई सबक लिया। किसी सरकार ने युवाओं की शिक्षा, रोजगार, बुनियादी ढांचा विकास और उद्योग स्थापना के लिए बृहद योजना नहीं बनाई। कहने का अर्थ यह नहीं कि पंजाब में कोई विकास नहीं हुआ। हरित क्रांति और इसके बाद के सालों ने पंजाब को सुनहरे दिन दिए और भारत को अन्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया। एक आईआईटी, एक आईएमएम, एक उच्चकोटि का मेडिकल शिक्षा संस्थान और सड़क तंत्र जरूर बना है लेकिन यह बहुत कम और बहुत देर से हुआ और अधिकांश अंदरूनी ग्रामीण इलाका आज भी पुरानी पड़ चुकी कृषि अर्थव्यवस्था और बंटवारे के बाद छोटे होते खेतों से घटती कमाई के चक्र में फंसा हुआ है, जिससे किसान के सिर पर भारी कर्ज चढ़ जाता है और वे आत्महत्या तक कर लेते हैं। रोजगार के स्रोत जैसे कि सशस्त्र सेना में भर्ती भी सिकुड़ी है, लिहाजा विदेशी मुल्कों की ओर बड़े पैमाने पर युवाओं का पलायन हो रहा है। इसके चलते नौजवान और बड़ों में रोष सुलग रहा है।

राजनेताओं की प्रवृत्ति झूठे वादे, मुफ्त की रेवड़ियां बांटने और मिथ्या आंकड़ों से बहलाने की होती है, इससे स्थिति और बिगड़ती है- वे किसे बेवकूफ बनाने का प्रयास कर रहे हैं? नशे का सेवन पूरे देश में आम हो चला है और देशभर में इसकी रोकथाम के रूप में महज यहां-वहां की जा रही छापेमारी है या छोटी मछलियां पकड़ी जाती हैं। नशा माफिया का एक भी बड़ा व्यापारी या इसमें पूंजी लगाने वाला गिरफ्तार नहीं हुआ है। मुख्यधारा के राजनीतिक दल निरंतर धुर-दक्षिणपंथियों के लिए मैदान खाली छोड़ रहे हैं। हालिया लोकसभा चुनाव में, शिरोमणि अकाली दल का वोट शेयर घटकर 13.4 फीसदी रह गया। हालांकि 18.5 प्रतिशत वोटों के साथ भाजपा की कारगुजारी भी कोई बढ़िया नहीं रही। अकाली दल का प्रदर्शन 2022 के विधानसभा चुनाव में पाए 18.3 फीसदी वोटों से नीचे गिरा है। मैंने अकाली दल का नाम इसलिए लिया क्योंकि यह वह दल है जिसने कभी पंजाबी सूबा मोर्चा जैसे आंदोलन चलाए और कांग्रेस के बाद देश की दूसरी सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी है।

सेहत का खजाना हैं सब्जियों के छिलके

आलू

आलू के छिलके में विटामिन सी, विटामिन बी6, पोटेशियम, मैग्नीशियम और आयरन पाया जाते हैं। इसके अलावा आलू के छिलके में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो कब्ज की समस्या को भी दूर करता है। जितनी बार भी आपके घर में आलू की सब्जी बने, छिलके को कंज्यूम करें। आलू के छिलके को अलग-अलग तरह से यूज करके आप बहुत सी बीमारियों से सेफ रह सकते हैं और मेडिसिन का खर्च भी बचा सकते हैं। आलू में अच्छी-खासी मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है। पोटैशियम ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में हेल्प करता है। आलू के छिलके मेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार हैं। अगर आप आयरन की कमी से जूझ रहे हैं तो बाकी सब्जियों के साथ आलू के छिलके खाना बहुत फायदेमंद रहेगा। आलू के छिलके में आयरन की अच्छी मात्रा होती है जिससे एनीमिया होने का खतरा कम हो जाता है।

बैंगन

बैंगन के छिलके में विटामिन के, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम और फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है। बैंगन के छिलके में बहुत सारे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाव करने में मदद करते हैं। बैंगन के छिलके में पॉलीफेनॉल्स पाया जाता है, जिससे कैंसर का खतरा कम होता है। अगर आपको बैंगन के छिलके का स्वाद या बनावट पसंद नहीं है, तो आप इसे पकाने या खाने से पहले छील सकते हैं। अगर आप छिलके सहित बैंगन खाना चाहते हैं, तो इसे अच्छी तरह से धो लें ताकि इसमें मौजूद कोई भी कीटनाशक या गंदगी निकल जाए।

जबकि बैंगन के छिलके ज्यादातर लोगों के लिए खाने के लिए सुरक्षित हैं। छिलके सहित बैंगन खाना ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित है और इससे अतिरिक्त पोषक तत्व और फाइबर मिल सकते हैं। अगर आपको छिलके का स्वाद और बनावट पसंद है, तो बेझिझक इसे अपने व्यंजनों में शामिल करें।

लौकी

केवल लौकी के अंदर का हिस्सा ही नहीं, बल्कि लौकी का छिलका भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, फाइबर और कई एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। इसका सेवन आपके पेट के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है। लौकी का छिलका खाने से गैस, अपच, बवासीर की परेशानियों को कम किया जा सकता है। इसके अलावा यह कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से राहत दिलाने में मददगार है। लौकी का छिलका गैस की परेशानियों को कम करने में प्रभावी होता है। इसमें भरपूर रूप से फाइबर मौजूद होता है, जो गैस, कब्ज को दूर करने में असरदार है।

छिलके

अधिकतर लोग सब्जियों के छिलकों को हटाकर खाना बनाते हैं, लेकिन बहुत सी सब्जियों के छिलके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। अधिकतर घरों में यही होता है कि सब्जियों के छिलके को हटाकर खाना बनाया जाता है। लेकिन सब्जियों के छिलके का सेवन कितना लाभकारी होता है। कई सब्जियों के छिलकों में महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, लेकिन जिन्हें आमतौर पर हटा दिया जाता है। हमारी अच्छी सेहत के लिए कुछ सब्जियों के छिलके का सेवन भी जरूरी करना चाहिए, जैसे कि करेला, आलू, बैंगन और गाजर आदि। इन सब्जियों के छिलके में उच्च मात्रा में कई तरह के विटामिन, पॉलीफेनॉल्स और जरूरी पोषक तत्व होते है। जिसे खाने से हमें कई फायदे मिल सकते हैं।

शरीर को बनाते हैं लोहा, भूल से भी कचरा समझ कर न फेंके

करेला

करेला को कई स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है। करेला के छिलकों में विटामिन सी और अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स को बचाने में मदद करते हैं और कोशिकाओं को नुकसान से बचाते हैं। इसके अलावा यह और भी कई प्रकार के रोगों से बचाता है।

गाजर

अगर आपको गाजर के फायदे लेने हैं, तो गाजर को बिना छिलका उतारे खाएं। इसमें बीटा-कैरोटीन नामक गुण होता है, जो शरीर में विटामिन ए और विटामिन सी की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा इसमे फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जिनमें एंटी.इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं।

हंसना मना है

टीचर-संजू यमुना नदी कहाँ बहती है? संजू-जमीन पर, टीचर-नक्शे में बताओ कहाँ बहती है? संजू-नक्शे में कैसे बह सकती है, नक्शा गल नहीं जाएगा?

अध्यापक ने रमेश से कहा-रमेश! सोना अधिक कहां होता है? रमेश ने कहा-जी! जहां रातें अधिक लंबी होती है, वहीं सोना अधिक होता है।

मास्टर-सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज को। पप्पू-चूहे खाकर बिल्ली टेढी-मेढी चली। मास्टर- तू पगला गया है क्या! सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को जाती है। पप्पू -पहली बात यह है कि हम बिल्ली को हज पर क्यों भेजें, सौ चूहे खाकर तो बिल्ली से हिला भी न जाये, ये बिल्ली है, कोई नेता नहीं है कि जो कितना भी खाये, चलते ही जाये।

अध्यापिका- कल मैंने तुझे कुत्ते पर निबंध लिखने को कहा था! तू लिखकर क्यों नहीं लाया? राकेश- क्या करूं मैडम, जैसे ही मैंने कुत्ते पर पेन रखा, वो भाग गया!

टीचर- तुमने कभी कोई नेक काम किया है? पप्पू-हां सर.. एक बुजुर्ग धीरे-धीरे अपने घर जा रहे थे.. मैंने कुत्ता पीछे लगा दिया, जल्दी पहुंच गए?

कहानी | जैसे को तैसा

सीतापुरी गांव में जीर्णधन नाम का एक बनिया रहता था। उसका काम कुछ अच्छा नहीं चल रहा था, इसलिए उसने धन कमाने के लिए विदेश जाने का फैसला किया। उसके पास सिर्फ उसके पास एक लोहे का तराजू थी। उसने वो तराजू साहूकार को धरोहर के रूप में दे दिया और बदले में कुछ रुपये ले लिए। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि वह विदेश से लौटकर अपना उधार चुका कर तराजू वापस ले लेगा। जब दो साल बाद वह विदेश से लौटा, तो उसने साहूकार से अपना तराजू वापस मांगा। साहूकार बोला कि वो तराजू तो चूहों ने खा लिया। जीर्णधन समझ गया कि साहूकार की नियत खराब हो गई है और वह तराजू वापस करना नहीं चाहता। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि कोई बात नहीं अगर तराजू चूहों ने खा लिया है, तो इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। सारी गलती उन चूहों की है। उसने साहूकार से कहा कि दोस्त मैं नदी में नहाने जा रहा हूं। तुम अपने बेटे धनदेव को भी मेरे साथ भेज दो। वो भी मेरे साथ नहा आएगा। साहूकार, जीर्णधन के व्यवहार से बहुत खुश था, इसलिए उसने जीर्णधन को सज्जन पुरुष जानकर अपने बेटे को उसके साथ नहाने के लिए नदी पर भेज दिया। जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को नदी से कुछ दूर ले जाकर एक गुफा में बंद कर दिया। उसने गुफा के दरवाजे पर बड़ा-सा पत्थर रख दिया, जिससे साहूकार का बेटा बचकर भाग न पाए। साहूकार के बेटे को गुफा में बंद करके जीर्णधन वापस साहूकार के घर आ गया। उसे अकेला देखकर साहूकार ने पूछा कि मेरा बेटा कहां हैं। जीर्णधन बोला कि माफ करना दोस्त तुम्हारे बेटे को चील उठाकर ले गई है। साहूकार हैरान रह गया और बोला कि ये कैसे हो सकता है? चील इतने बड़े बच्चे को कैसे उठा ले जा सकती है? जीर्णधन बोला जैसे चूहे लोहे के तराजू को खा सकते हैं, वैसे ही चील भी बच्चे को उठाकर ले जा सकती है। अगर बच्चा चाहिए, तो तराजू लौटा दो। जब अपने ऊपर मुसीबत आई तब साहूकार को अक्ल आई। उसने जीर्णधन का तराजू वापस कर दिया और जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को आजाद कर दिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल चलेगा। आय बनी रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृषभ सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मिथुन पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। आत्मसम्मान बना रहेगा।

कर्क बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कन्या यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी।

तुला सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा।

धनु चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

कुम्भ ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। विवेक से कार्य करें।

मीन पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

भ्रष्टाचार का खात्मा करने आ रहे हैं कमल हासन

दिग्गज एक्टर कमल हासन अपनी अगली फिल्म इंडियन 2 के कारण एक बार फिर से सुर्खियों में आ गए हैं। मंगलवार, 25 जून को मेकर्स ने उनकी इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। फिल्म एक बार फिर से कमल हासन को देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ देखा जा रहा है। बता दे कि यह 28 साल बाद है जब एक्टर फिर से स्वतंत्रता सेनानी के अंदाज में लौटे हैं। ट्रेलर में उन्हें भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आवाज उठाते हुए देखा जा रहा है।

इंडियन-2 के ट्रेलर में कमल हासन अपने सिग्नेचर वर्मा कलाई मार्शल आर्ट्स में स्टंट्स करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने इस बार भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है। एक्शन्स सीन्स शानदार हैं। फिल्म में वीरसेकरन सेनापति नाम के एक स्वतंत्रता सेनानी की कहानी दिखाई गई है, जो सिस्टम में हो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाता है और इसे रोकने की हर संभव कोशिश करता है।

बता दें कि कमल हासन की इंडियन 2 1996 में आई फिल्म इंडियन की सीक्वल है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। उम्मीद की जा रही है कि इसके सीक्वल को भी दर्शक उसी तरह पसंद करेंगे। वहीं, ट्रेलर को देखते हुए तो यह कहा जा सकता है कि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर सकती है, बाकी तो वक्त के साथ ही फैसला हो पाएगा। साउथ डायरेक्टर शंकर शनमुगम के निर्देशन में बनी इंडियन 2 में कमल हासन के अलावा काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह को भी अहम किरदार में देखा जाने वाला है। फिल्म का ट्रेलर तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषाओं में रिलीज किया गया है। वहीं, फिल्म 12 जुलाई, 2024 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए बिल्कुल तैयार है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैटरनिटी के बाद जल्द ही काम पर वापसी करूंगी : ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी खूब काम कर रही हैं। बीते दिनों उन्होंने अपनी सीरीज हीरामंडी का जमकर प्रमोशन किया था। अब खबर आ रही है कि एक्ट्रेस ने एक कॉमेडी फिल्म भी साइन कर ली है। ऋचा चड्ढा का कहना है कि वह अपनी प्रेग्नेंसी में लंबा ब्रेक नहीं लेंगी, जिस तरह आलिया भट्ट ने फिल्म 'रॉक रानी की प्रेम कहानी' और दूसरी फिल्म हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग प्रेग्नेंसी में की थी। जिस तरह करीना ने लाल सिंह चड्ढा की शूटिंग प्रेग्नेंसी में की थी। ठीक उसी तरह एक्ट्रेस भी काम करती रहेंगी। वह इसके लिए कोई लंबा ब्रेक नहीं लेगी। एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा जल्द ही अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाली हैं। वह प्रेग्नेंसी के 9वें महीने को एन्जॉय कर रही हैं। लेकिन इन दिनों वह अपनी अगली कॉमेडी फिल्म साइन करने को लेकर सुर्खियों में हैं। इस पर काम अक्टूबर में शुरू होने वाला है। बताया जा रहा है कि कॉमेडी फिल्म की स्क्रिप्ट पहले से ही तैयार है, जिसे अमितोष नागपाल ने लिखा है। फिल्म नॉर्थ इंडिया पर सेट है। हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने मैटरनिटी ब्रेक के दौरान काम करने को लेकर कहा, 'मैं सभी महिलाओं की ओर से बात नहीं कर सकती। हर किसी का सफर अलग होता है। लेकिन मैं लंबे ब्रेक पर नहीं रहूंगी। मैं जल्द से जल्द काम पर वापस लौटने की कोशिश करूंगी। मेरे पास कई प्रोजेक्ट्स पेंडिंग पड़े हुए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह अपनी मां से प्रेरित हैं, उन्होंने दोनों भूमिकाओं को कुशलता से निभाया है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह दोनों जिम्मेदारियां बखूबी निभा सकती हैं।

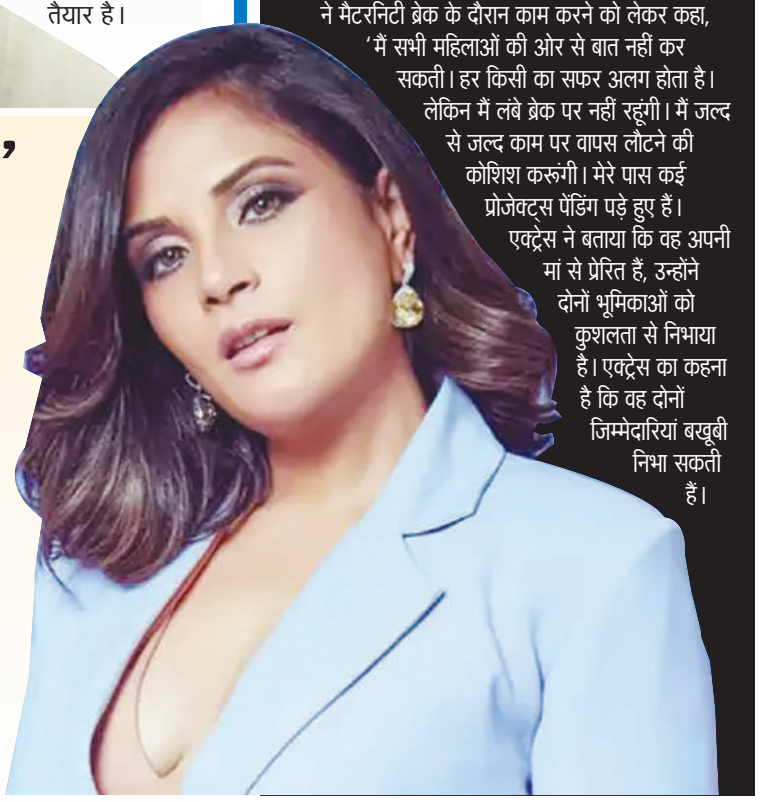

बहू करीना कपूर की फिल्म 'क्रू' देख गदगद हुईं शर्मिला टैगोर

बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा शर्मिला टैगोर अभिनेता सैफ अली खान की मां और करीना कपूर की सासु मां एक बार फिर चर्चा में हैं। शर्मिला अपनी बहू करीना कपूर का हमेशा हौसला बढ़ाती नजर आती हैं। दोनों सास-बहू शानदार बॉन्ड शेयर करती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शर्मिला टैगोर ने क्रू की तारीफ की।

क्रू की तारीफ की...

हाल में ही शर्मिला टैगोर से जब पूछा गया कि उन्हें बहु करीना कपूर की फिल्म क्रू कैसी लगी। उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि यह फिल्म इतनी शानदार होने वाली है। इस फिल्म की कहानी मुझे बहुत पसंद आई। तीन महिलाएं एक-दूसरे की मदद कर रही हैं। इस फिल्म ने उस कहावत को झूठा साबित किया कि औरत ही औरत की दुश्मन होती हैं।

शर्मिला टैगोर ने आगे कहा कि, फिल्म में तीन औरतें जिस तरह से एक साथ काम करती हैं, वह ये आइडिया अच्छा लगा। इस फिल्म को देखकर लगा कि अब और भी ऐसी और भी फिल्में बनें। क्रू की बॉक्स ऑफिस सफलता को देखकर अब और भी निर्माता-निर्देशक महिला प्रधान फिल्म करेंगे, तो बॉलीवुड में बदलाव दिखेगा।

शर्मिला टैगोर ने फीमेल ऑरिएंटेड फिल्मों पर बातें करते हुए कहती कि मुझे किरण राव की फिल्म लापता लेडीज भी अच्छी लगी थी। इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। ऐसी फिल्मों को सपोर्ट मिलना ही चाहिए। इसके अलावा दीपिका पादुकोण की फिल्म पीकू भी बहुत अच्छी फिल्म है।

सबसे दूर बना है ये पोस्ट ऑफिस, हर साल निकलते हैं 70,000 कार्ड, आबादी के नाम पर हैं पेंगुइन

एक पोस्ट ऑफिस दुनिया में सबसे दूर होगा तो कहां होगा? क्या वह ऐसी जगह हो सकता है, जहां आबादी ही ना हो। जी हां एक पोस्ट ऑफिस ऐसा भी है जो ऐसी ही जगह पर है जो किसी एक देश की नहीं है। लोग यहां केवल कुछ दिन के लिए घूमने आते हैं। फिर भी यह पोस्ट ऑफिस सक्रिय है और हर साल हजारों कार्ड दुनिया के सौ से अधिक देशों में भेजता है। इसके बनने की कहानी भी कम रोचक नहीं है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्रिटेन का यह पोस्ट ऑफिस अंटार्कटिका में हैं, जहां आबादी के नाम पर पेंगुइन हैं।

ब्रिटेन का सबसे दक्षिणी सार्वजनिक डाकघर सुदूर गौडियर द्वीप पर पोर्ट लॉकरॉय में है। यह द्वीप, जो एक हज़ार से ज़्यादा पेंगुइन का घर है, ब्रिटिश अंटार्कटिक क्षेत्र का हिस्सा है। इसकी स्थापना 11 फ़रवरी 1944 द्वितीय विश्व युद्ध के दौर में हुई थी। नवंबर 1996 से पूर्व अनुसंधान बेस की साइट को एक संग्रहालय के रूप में चलाया जा रहा है, जहा। हर मौसम में 18,000 आगंतुक आते हैं। इसी साल इस पोस्ट ऑफिस की भी स्थापना की गई जो आज दुनिया का दूरस्थ पोस्ट ऑफिस है। यह डाकघर असल में द्वीप पर काम करने वाले और कुछ पर्यटकों के लिए बना है। यही कारण है कि इस वजह से ये खासा सक्रिय है। डाकघर हर साल 100 से ज़्यादा देशों में लगभग 70,000 कार्ड भेजता है। पोर्ट लॉकरॉय की भूतपूर्व कर्मचारी सारा ऑफरेट ने एंड्स ऑफ द अर्थ से बात करते हुए इस अनोखे डाकघर के बारे में खुलकर बताया। उन्होंने कहा, पोस्टकार्ड भेजने पर एक अमेरिकी डॉलर खर्च होता है, चाहे गंतव्य कोई भी हो। टीम हाथ से ही पोस्टकार्ड भेजती है व्यस्त दिन में 1,000 से ज़्यादा पोस्टकार्ड आ सकते हैं। फिर इसे बंडल में बांधा जाता है, तौला जाता है। प्रत्येक सीजन में टीम द्वारा लगभग 500 किलोग्राम डाक बैग में भरा जाता है, और मौसम और बर्फ़ की अनुमति मिलने पर अभियान जहाज से फ़ॉकलैंड पहुंचाया जाता है,फ़ॉकलैंड का स्टेनली पोस्ट ऑफ़िस इसे यूके जाने वाले साप्ताहिक रॉयल एयर फ़ोर्स के विमान में डाल देता है। तब जाकर यह नियमित डाक सेवा में पहुंच पाता है। पोर्ट लॉकरॉय से कैम्ब्रिज तक ही एक पोस्टकार्ड सबसे कम से कम दो सप्ताह में पहुंच पाता है।

अजब-गजब | यह व्यक्ति कनाडा में करता है नाश्ता, तो अमेरिका में डिनर

दस कदम में विदेश पहुंच जाता है यह शख्स

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। पहली बार में उन जगहों की मौजूदगी पर यकीन कर पाना मुश्किल होता है. लेकिन असलियत जानने के बाद हर कोई चौंक जाता है। आज हम आपको एक ऐसी ही जगह के बारे में बताने जा रहे हैं। अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप दुनिया के सबसे छोटे अंतरराष्ट्रीय ब्रिज के बारे में जानते हैं? शायद ज्यादातर लोगों को इस बारे में जानकारी नहीं होगी। लेकिन आपको बता दें कि ये पुल जहां पर बना है, वहां रहने वाला शख्स अपनी मर्जी के मुताबिक कनाडा में नाश्ता करता है तो अमेरिका में डिनर कर सकता है। अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे संभव है? तो बता दें कि सबसे छोटा इंटरनेशनल ब्रिज नदी में बसे दो छोटे आइलैंड के बीच बना है, जिसका मालिक एक ही शख्स है।

चूकि 1793 में यहां पर कनाडा और अमेरिका के बीच बॉर्डर का निर्धारण नदी को लेकर हुआ था। ऐसे में नदी के बीचों-बीच बसे जाविकॉन आइलैंड का भी बंटवारा दो हिस्सों में हो गया। इस आइलैंड का दो तिहाई हिस्सा कनाडा के पास चला गया, तो एक तिहाई हिस्सा अमेरिका के कब्जे में आ गया। साल 1902 में एल्मर एंड्रेस नाम के एक व्यवसायी ने जॉविकन आइलैंड के कनाडा वाले हिस्से में जर्मन शैली का एक विला बनवाया। उसी शख्स ने अपने घर के चारों तरफ सब्जी का बागीचा और घाट बनवाने के उदेश्य से सेंट लॉरेंस नदी के बीचों बीच स्थित जाविकॉन आइलैंड पर लकड़ी का यह पुल भी बनवा दिया। बाद में इस सबसे छोटे इंटरनेशनल ब्रिज को 'बैकयार्ड बॉर्डर क्रॉसिंग' नाम दिया गया था।

ब्रिज का यह नाम अमेरिकी प्रेस द्वारा दिया गया और उन्होंने ही लकड़ी के इस क्रॉसिंग को दुनिया का सबसे छोटा अंतरराष्ट्रीय पुल भी माना था। इस पुल पर बड़े आइलैंड की दिशा में कनाडा का झंडा है, तो छोटे आइलैंड की तरफ अमेरिका का झंडा लगा हुआ है। आपको जानकर हैरानी होगी कि अमेरिका और कनाडा के बीच बना दुनिया का सबसे छोटा इंटरनेशनल ब्रिज लगभग 32 फीट लंबा है। साल 1976 में डोनाल्ड रिकर्ड और उनकी पत्नी जूली रेकाई रिकर्ड ने इन दोनों आइलैंड को खरीद लिए। इसके बाद पुल पर हंगरी का झंडा भी लग गया। इंस्टाग्राम पर इससे जुड़ा एक वीडियो पोस्ट भी शेयर किया गया, जिस पर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं।

कनाडा और अमेरिका के कब्जे वाले इन दोनों आइलैंड को डोनाल्ड रिकर्ड और उनकी पत्नी जूली रिकर्ड ने खरीद लिया था। जूली का परिवार मूल रुप से हंगरी का रहने वाला था, जिसकी वजह से ब्रिज पर हंगरी का झंडा भी लगा दिया गया। अब सवाल यह उठता है कि आखिर दो देशों के बीच कोई कैसे तीसरे देश का झंडा लगा सकता है, तो बता दें कि इसके पीछे भी दिलचस्प कहानी है। दरअसल, जूली की मां, काटी रेकाई का जन्म 1921 में बुडापेस्ट में कैटालिन डेसिडर के नाम से हुआ था। वह अपने पति डॉ. जानोस रेकाई के साथ सन् 1948 में हंगरी के साम्यवादी शासन से बचकर पहले फ्रांस, फिर कनाडा चली गईं. कनाडा में जूली के पिता ने खूब ख्याति हासिल की. उन्होंने अपने भाई के साथ मिलकर 36 अलग-अलग भाषाओं में बात करने वाले कर्मचारियों से निपुण अस्पताल का निर्माण करवाया। बाद में जूली ने भी कनाडाई साहित्य के अंतरराष्ट्रीय प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसकी वजह से ब्रिज पर हंगरी का झंडा भी सजा दिया गया।

डरी भाजपा ने लिया सीबीआई का सहारा : सुनीता

» बोलीं- सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की थी संभावना

» फर्जी मामले में गिरफ्तार करवाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं। उन्होंने कहा कि यह सब तानाशाही और आपातकाल के समान है। आप ने कहा कि जब केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की संभावना थी तो भाजपा घबरा गई और उन्हें फर्जी मामले में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया और भ्रष्टाचार मामले में पांच दिन की हिरासत मांगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सुनीता ने कहा कि उनके पति को 20 जून को उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिल गई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से तुरंत रोक लग गई। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि अगले ही दिन, सीबीआई ने उन्हें आरोपी बना दिया और आज उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूरा सिस्टम यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि वह आदमी जेल से बाहर न आए। यह कानून नहीं है। यह तानाशाही है, यह आपातकाल है। अदालत ने आबकारी मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को तीन दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। इससे पूर्व सीबीआई ने केजरीवाल से अदालत में पूछताछ के गिरफ्तार कर लिया था। अदालत ने कहा आरोपी से मामले में पूछताछ करने के लिए रिमांड जरूरी है। अदालत ने सीबीआई के उस तर्क को भी स्वीकार कर लिया कि मामले में अंतिम निष्कर्ष के लिए केजरीवाल से पूछताछ जरूरी है। अदालत ने सीबीआई को रिमांड के दौरान केजरीवाल की चिकित्सा जांच करवाने व उनके वकील को मिलने की मंजूरी भी प्रदान की है।

केजरीवाल 3 दिन की सीबीआई रिमांड पर

विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत ने सुनी दलीलें

राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश अमिताभ रावत के समक्ष तिहाड़ जेल से केजरीवाल को प्रोडक्शन वारंट के आधार पर पेश किया गया। सीबीआई ने अदालत से केजरीवाल से आबकारी नीति के संबंध में पूछताछ की इजाजत मांगी। वहीं केजरीवाल की ओर से पेश वकील ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें अपने मुवक्किल के अदालत में पेश करने की जानकारी नहीं दी गई और सभी दस्तावेजों का अध्ययन करने के मद्दे नजर सुनवाई कल तक के लिए स्थगित की जाए।

सिसोदिया पर मीडिया ने झूठ फैलाया : केजरीवाल

आबकारी मामले में गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बात को गलत बताया है कि उन्होंने शराब नीति घोटाले के लिए मनीष सिसोदिया को दोषी ठहराया है। केजरीवाल ने अदालत के समक्ष कहा कि सीबीआई सूत्रों ने मीडिया में झूठी कहानी फैलाई है कि मैंने मनीष व अन्य को जिम्मेदार ठहराया है। केजरीवाल ने मीडिया की उन रिपोर्टों का खंडन किया, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने घोटाले के लिए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को दोषी ठहराया है।उन्होंने कहा सीबीआई सूत्रों द्वारा मीडिया में झूठी कहानी फैलाई जा रही है कि मैंने शराब नीति घोटाले का दोष मनीष सिसोदिया पर डाला है। मैंने मनीष सिसोदिया या किसी अन्य व्यक्ति को दोषी ठहराते हुए ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। मैंने कहा था कि मनीष सिसोदिया निर्दोष हैं। आम आदमी पार्टी निर्दोष है। मैं निर्दोष हूं। लेकिन सीबीआई की योजना मीडिया में हमें बदनाम करने की है। कृपया रिकॉर्ड करें कि सीबीआई सूत्रों ने मीडिया में झूठी खबरें फैलाई हैं।

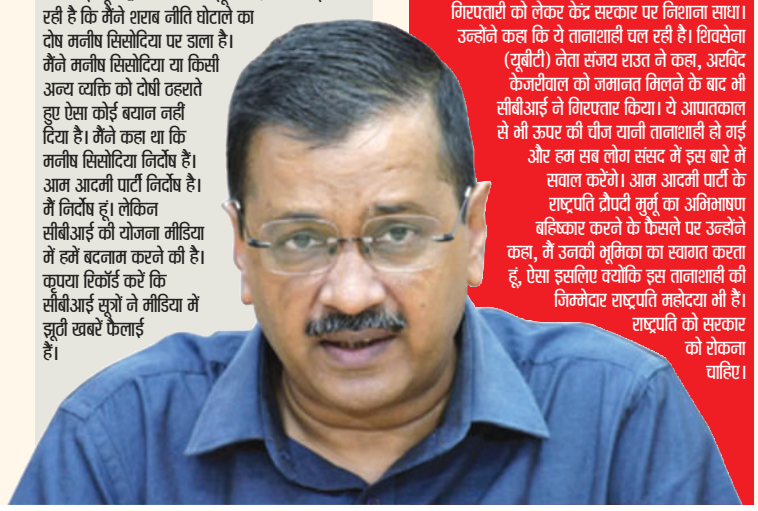

तानाशाही कर रही केंद्र सरकार : संजय राउत

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता संजय राउत ने सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये तानाशाही चल रही है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, अरविंद केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद भी सीबीआई ने गिरफ्तार किया। ये आपातकाल से भी ऊपर की चीज यानी तानाशाही हो गई और हम सब लोग संसद में इस बारे में सवाल करेंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण बहिष्कार करने के फैसले पर उन्होंने कहा, मैं उनकी भूमिका का स्वागत करता हूं, ऐसा इसलिए क्योंकि इस तानाशाही की जिम्मेदार राष्ट्रपति महोदया भी हैं। राष्ट्रपति को सरकार को रोकना चाहिए।

वरिष्ठ भाजपा नेता एलके आडवाणी की हालत स्थिर

» एम्स के यूरोलॉजी विभाग में हो रहा इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वयोवृद्ध भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। 96 साल के आडवाणी को बुधवार देर रात अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद एम्स के यूरोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया है। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री रहे लालकृष्ण आडवाणी को एम्स के पुराने प्राइवेट वार्ड में भर्ती किया गया है। उन्हें एम्स के जिरियाट्रिक डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक, पूर्व उप प्रधानमंत्री को उम्र संबंधी परेशानियों के चलते अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। वह 2014 के बाद से ही सक्रिय राजनीति से दूर हैं।

हाल ही में उनकी तस्वीर सामने आई थी, जब एनडीए संसदीय दल के नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे मिलने उनके घर गए थे और उनका आशीर्वाद लिया था। पाकिस्तान के कराची में 8 नवंबर, 1927 को एक हिंदू सिंधी परिवार में जन्मे आडवाणी को भारत सरकार ने इसी साल देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से नवाजा है। 2015 नें उन्हें भारत के दूसरे बड़े नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। 1998 से 2004 के बीच भाजपा के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) में गृहमंत्री रह चुके हैं।

दो जुलाई को राहुल कोर्ट में तलब

» गृहमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बयान दर्ज करने के लिए तलब किया है। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले में पक्षकार बनने के लिए दी गई अर्जी खारिज कर दी है। मामले में अगली सुनवाई दो जुलाई को होगी।

भाजपा नेता विजय मिश्र ने चार अगस्त 2018 को कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। आरोप लगाया था कि राहुल ने 15 जुलाई 2018 को कर्नाटक की राजधानी बंगलुरू में गृहमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

कांग्रेस की भर्ती रोको गैंग ने कटवाए गरीबों के पांच अंक : नायब सिंह सैनी

» रोहतक की जमीन से हुड्डा पर किया वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक (हरियाणा)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि वे रोहतक की जमीं से भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कहना चाहते हैं कि कांग्रेस की भर्ती रोके गैंग ने गरीबों के पांच अंक कटवाए हैं, लेकिन भाजपा सरकार गरीबों का हक नहीं मरने देगी। बता देना चाहता हूं आम लोगों को कितने चक्कर कटवाओगे, उतने ही उस अधिकारी को काटने पड़ेंगे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री से कहा कि अगर हिम्मत है तो अपने 10 साल के कार्यकाल में लगवाई गई भर्तियों पर श्वेत पत्र जारी करें। पता लग जाएगा कि किसने कितनी नौकरी दी हैं।

पहले जहां पर्ची व खर्ची पर नौकरी लगती थी, लेकिन अब गरीब का बेटा मैरिट के आधार पर एचसीएस से लेकर तहसीलदार तक बन रहा है। चाहे सुप्रीम कोर्ट में दोबारा जाना पड़े या नया कानून लेकर आना पड़े। नायब सैनी ने कहा कि सरकार ने गरीब व्यक्ति के लिए घर बनाने के लिए 30-30 गज के प्लाट देने क योजना तैयार की थी। क्योंकि अपना घर तो अपना ही होता है। इसके लिए पहले गांवों में 100-100 गज के प्लाट दिए, इसके बाद शहर में लोगों को 30-30 गज के प्लाट दिए हैं। उन्होंने कहा कि वैसे तो प्रदेश में हर जगह जाकर कहते हैं कि कांग्रेस की भर्ती रोको गैंग ने ही गरीबों के पांच अंक कटवाए हैं, लेकिन आज रोहतक की जमीं पर खड़े होकर कहता हूं कि कांग्रेस कुछ भी कर ले, गरीबों का हक नहीं मरने दूंगा।

पहली बार फाइनल में पहुंचा साउथ अफ्रीका

» अफगानिस्तान का टूटा सपना, टी-20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में 9 विकेट से हारी टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एंटीगुआ। टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल के लिए साउथ अफ्रीका ने अपने नाम की मुहर लगा दी है। साउथ अफ्रीका ने गुरुवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। बता दें कि ये पहली बार है जब अफ्रीकी टीम टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है, इसके साथ ही टीम ने इतिहास भी रच दिया है।

पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम महज 56 रनों पर धराशाही हो गई, अफगान की तरफ से सिर्फ एक ही बल्लेबाज दहाई का अंक ही छू सका। जिसके चलते टीम महज 11.5 ओवर में ही आलआउट हो गयी। जिसके जवाब में अफ्रीकी टीम ने आसानी से इस टारगेट को चेज कर लिया। साउथ अफ्रीका के लिए रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 29 रन बनाए। वहीं कप्तान एडम माक्ररम ने 23 रन बनाए। ये दोनों खिलाड़ी अंत तक आउट नहीं हुए और महज 8.5 ओवर्स में ही टारगेट को चेज कर लिया। टीम की शुरुआत बेहद ही खराब रही। जब क्विंटन डिकॉक सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए उन्हें फजलहक फारूकी ने अपना शिकार बनाया।

56 रनों पर ही सिमटी राशिद की सेना

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो बाद में गलत साबित हुआ। टीम के बल्लेबाज बुरी तरह फ्लॉप रहे और कोई भी खिलाड़ी दमदार प्रदर्शन नहीं कर सका। अजमतुल्लाह उमरजई ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए थे, उन्होंने 10 रन बनाए। जबकि रहमानुल्लाह गुरबाज, नूर अहमद और मोहम्मद नबी अपना खाता तक नहीं खोल पाए। इसी कारण से अफगानिस्तान टीम पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल पाई और महज 56 रनों पर ही सिमट गई। टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया ये सबसे कम स्कोर है। दूसरी तरफ साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का प्रदर्शन काबिले तारीफ था। मार्को जेसन ने 3 ओवर में 16 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं तबरेज शम्सी ने भी तीन विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा और एनरिक नॉर्खिया ने 2-2 विकेट चटकाए।

चुनाव नतीजे बताते हैं भारत हिंदू राष्ट्र नहीं : अमर्त्य सेन

बोले- अंग्रेजों के शासनकाल का चलन कांग्रेस से ज्यादा बीजेपी सरकार में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित जाने-मानें लेखक अमर्त्य सेन लोकसभा चुनाव नतीजों के लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आम चुनाव के नतीजे यह दिखाते हैं कि भारत 'हिंदू राष्ट्र नहीं है। उन्होंने इस बात पर नाखुशी जतायी कि देश में बिना मुकदमा चलाए लोगों को सलाखों के पीछे रखने का अंग्रेजों के शासनकाल का चलन अब भी जारी है और कांग्रेस सरकार की तुलना में यह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में अधिक है।

सेन ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बंगाली समाचार चैनल से कहा कि चुनाव नतीजे यह दिखाते हैं कि भारत हिंदू राष्ट्र नहीं है।

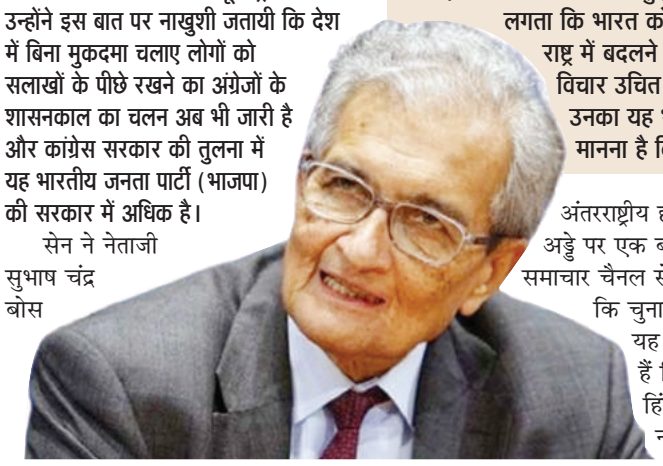

राजनीतिक रूप से खुले विचार रखने की जरूरत

उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से खुले विचार रखने की जरूरत है खासतौर से जब भारत एक धर्मनिरपेक्ष संविधान के साथ एक धर्मनिरपेक्ष देश है। मुझे नहीं लगता कि भारत को हिंदू राष्ट्र में बदलने का विचार उचित है। उनका यह भी मानना है कि नया केंद्रीय मंत्रिमंडल ''पहले की ही नकल है। मंत्रियों के पास पहले वाले ही विभाग हैं। मामूली फेरबदल के बावजूद राजनीतिक रूप से शक्तिशाली लोग अब भी शक्तिशाली हैं। भाजपा के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करवाने के बावजूद फैजाबाद लोकसभा सीट हारने पर सेन ने कहा कि देश की असली पहचान को धूमिल करने का प्रयास किया गया।

उन्होंने कहा कि हम हमेशा हर चुनाव के बाद एक बदलाव देखने की उम्मीद करते हैं। पहले जो कुछ हुआ है (भाजपा नीत केंद्र सरकार के कार्यकाल में) जैसे कि बिना मुकदमा चलाए लोगों को जेल में डालना और अमीर तथा गरीब के बीच की खाई गहरी करना, वह अब भी जारी है. इसे रोका जाना चाहिए।

'एनटीए में 25 से भी कम कर्मचारी फिर भी करवाता है बड़ी परीक्षाएं'

» कांग्रेस नेता अजय कुमार ने नीट मामले पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अजय कुमार ने 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा' (नीट)-स्नातक में कथित अनियमिताओं को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में 25 से भी कम स्थायी कर्मचारी हैं, लेकिन वह दो दर्जन से अधिक परीक्षाएं आयोजित कर रही है। कांग्रेस की ओडिशा, पुडुचेरी और तमिलनाडु इकाई के प्रभारी कुमार ने आरोप लगाया कि केंद्र ने एनटीए को इन प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन के लिए आदेश देकर इनके साथ एक तरह से जुआ खेला है।

उन्होंने दावा किया, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में विभिन्न विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लगभग एक दर्जन कर्मचारी और कुछ संविदा कर्मचारी हैं। अपर्याप्त विशेषज्ञों के कारण, एनटीए ने पेपर सेटिंग, पेपर वितरण और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल कार्य को निजी प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं और बाहरी विशेषज्ञों को सौंपा। कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने पांच मई को 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा' (नीट)-स्नातक आयोजित की थी, जिसमें एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए करीब 24 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। इस परीक्षा के परिणाम चार जून को घोषित किए गए, लेकिन उसके बाद बिहार समेत कई राज्यों में प्रश्नपत्र लीक होने के अलावा अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे।

विपक्ष का मतलब यह नहीं कि हर कार्य की आलोचना करूं : मसूद

सहारनपुर। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बिजली की दिशा में अहम कार्य किए हैं। इसके कारण लोगों को अपेक्षित बिजली मिल रही है। ट्रांसफार्मर का फूंकना व फाल्ट आना तकनीकी दिक्कत है। विपक्ष में होने का मतलब यह नहीं है कि हर बात या कार्य की आलोचना की जाए। अच्छे कार्यों की सराहना भी की जानी चाहिए। संसद सत्र के दूसरे दिन बातचीत में इमरान मसूद ने कहा कि संसद में दो दिन काफी बेहतर रहे। अनेक दलों के नेताओं से भेंट हुई है। अब राहुल गांधी ने विपक्षी दल का नेता होना स्वीकार कर लिया है, जो कि कांग्रेस को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

बिहार में बढ़ते अपराध पर सियासत गरमाई

नीतीश कुमार पर बुरी तरह भड़के तेजस्वी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लगातार बढ़ते अपराध को लेकर आरजेडी नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट डालकर हाल में हुए अपराध की लिस्ट बनाकर नीतीश कुमार से तीखे सवाल पूछे हैं।

तेजस्वी यादव ने जिस अंदाज में पोस्ट किया है, उसके बाद सियासत तेज हो गई है। तेजस्वी यादव ने लिखा कि ट्रबल इंजन सरकार में डबल अपराध के डरावने नजारे! बिहार में सरकारी अपराधी कब, किसे, कहां, क्यों और कैसे मार दें, इसकी गारंटी यमराज भी नहीं दे सकते। मुख्यमंत्री जी से इस मंगलमय जंगलराज पर सवाल करना भी अपराध की श्रेणी में आता है।

तेजस्वी यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पिछले कुछ दिनों में हुए अपराध की लिस्ट भी गिनवाई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पिछले दिनों पटना में दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर की हत्या कर दी गई थी। इतना ही नहीं बेगूसराय में अपराधियों ने युवक की हत्या कर दी। वहीं हाजीपुर में सब्जी खरीदने गए युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

जहरीली शराब त्रासदी को लेकर अन्नाद्रमुक नेताओं का अनशन शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्नाद्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी के नेतृत्व में पार्टी के विधायकों और कार्यकर्ताओं ने कल्लाकुरिची जहरीली शराब त्रासदी की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को यहां भूख हड़ताल शुरू कर दी।

विधानसभा की कार्यवाही में व्यवधान डालने के आरोप में मौजूदा विधानसभा सत्र से निलंबित अन्नाद्रमुक विधायकों ने काली शर्ट पहनकर सुबह नौ बजे राजारथिनम स्टेडियम में भूख हड़ताल शुरू की। मुख्य विपक्षी दल के अनुसार, भूख हड़ताल राज्य विधानसभा में इस मुद्दे को उठाने की 'अनुमति न दिए जाने' की निंदा के लिए भी की जा रही है।

फोटो: 4पीएम

वितरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर यूपी-112 द्वितीय चरण के तहत उच्चीकृत पीआरवी का फ्लैग ऑफ किया और वातानुकूलित हेलमेट का वितरण किया। उन्होंने कहा कि कानून का राज सुशासन की पहली शर्त है और इसके लिए सुरक्षा व संरक्षा का बेहतर वातावरण होना चाहिए, जो राज्य का दायित्व है।

प्रदेश में मानसून सक्रिय, आज से बारिश के आसार

» अरब सागर की तरफ से बढ़ रही हैं हवाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उमस भरी गर्मी से प्रदेश के लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद है। आज से प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में अच्छी मानसूनी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में पूरे प्रदेश में मानसून के प्रभावी होने का अनुमान जताया है।

मौसम विभाग ने बताया कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश के ज्यादातर इलाकों और पश्चिमी यूपी के अनेक हिस्सों में कल से अगले दो दिन तक बारिश की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि मानसून की अरब सागर की शाखा सक्रियता के कारण दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मंगलवार को ललितपुर के रास्ते प्रदेश में दस्तक दी जबकि सामान्य तौर पर मानसून बंगाल की खाड़ी से पूर्वी यूपी में प्रवेश करता है। मंगलवार को अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी में हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली। झांसी में लोग मंगलवार को गर्मी से बेहाल रहे जहां अधिकतम तापमान 42. 1 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर कानपुर रहा जहां अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री रहा । वहीं गाजीपुर और चुर्क प्रदेश में सबसे कम तापमान 23.6 दर्ज किया गया।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ बरसात

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश शुरू हो गई है। इसे सीजन की पहली मानसूनी बारिश माना जा रहा है। ट्रांस हिंडन के साथ ही पूर्वी दिल्ली, नोएडा समेत आसपास के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। आसमान में काले-काले बादल छाये हैं और तेज हवा चल रही है। मौसम विभाग ने आज से शनिवार तक के लिए बारिश का यलो और रविवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ऐसे में सप्ताहांत में बारिश से तापमान में चार डिग्री सेल्सियस तक की कमी आ सकती है। इससे अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

राजधानी में आज से झमाझम की उम्मीद

राजधानी के लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने प्रदेश में मानसून की दस्तक के बाद बृहस्पतिवार से अगले दो दिनों तक लखनऊ में बारिश की उम्मीद जताई है। बुधवार को दोपहर बाद से आसमान में बादल छाए रहे। पुरवा हवा के असर से जहां लोगों को राहत मिली। इससे अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। राजधानी में बुधवार को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री रहा जो मंगलवार की तुलना में लगभग 4 डिग्री कम था।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।